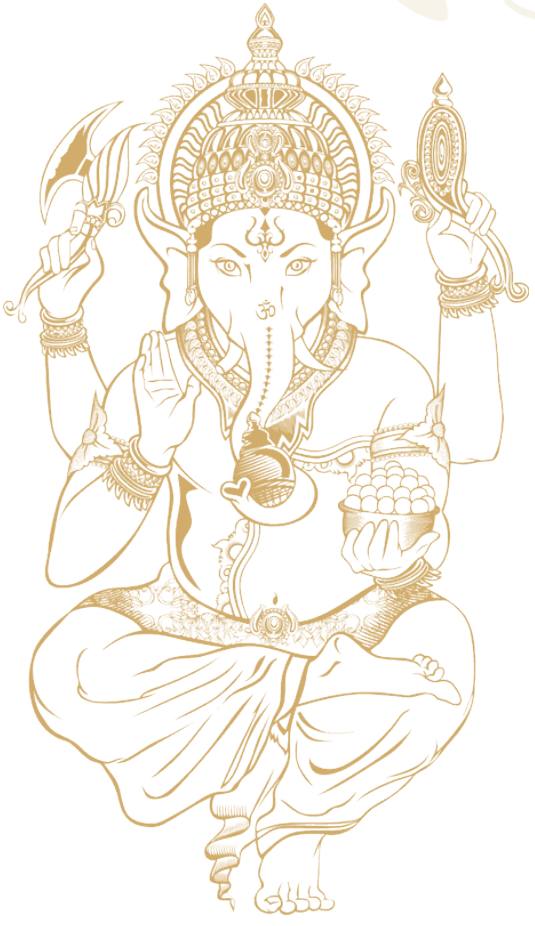

Luna suthar

19 Aug 1987

05:31 PM

Balotra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121757802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/08/1987**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**17:31:00 घंटे**
इष्ट	28:10:02 घटी
स्थान	**Balotra**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:50:00 उत्तर
रेखांश	72:21:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:40:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:50:24 घंटे
वेलान्तर	-00:03:45 घंटे
साम्पातिक काल	14:39:38 घंटे
सूर्योदय	06:14:59 घंटे
सूर्यास्त	19:13:13 घंटे
दिनमान	12:58:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	02:17:47 सिंह
लग्न के अंश	03:37:06 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मकर - शनि
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वज्र
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	कू-कुणाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	03:37:06	385:01:41	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
सूर्य			सिंह	02:17:47	00:57:44	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			मिथु	07:39:31	11:55:52	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
मंगल		अ	सिंह	04:11:59	00:38:10	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	मित्र राशि
बुध		अ	सिंह	01:32:15	02:00:38	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			मेष	06:02:47	00:00:04	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	मित्र राशि
शुक्र		अ	सिंह	01:15:42	01:14:14	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
शनि			वृश्चि	20:50:58	00:00:01	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	09:21:35	00:04:49	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	09:21:35	00:04:49	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृश्चि	29:06:23	00:00:39	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
नेप	व		धनु	11:45:50	00:00:53	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
प्लूटो			तुला	13:45:35	00:01:05	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			तुला	18:40:02	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:03

लग्न-चलित

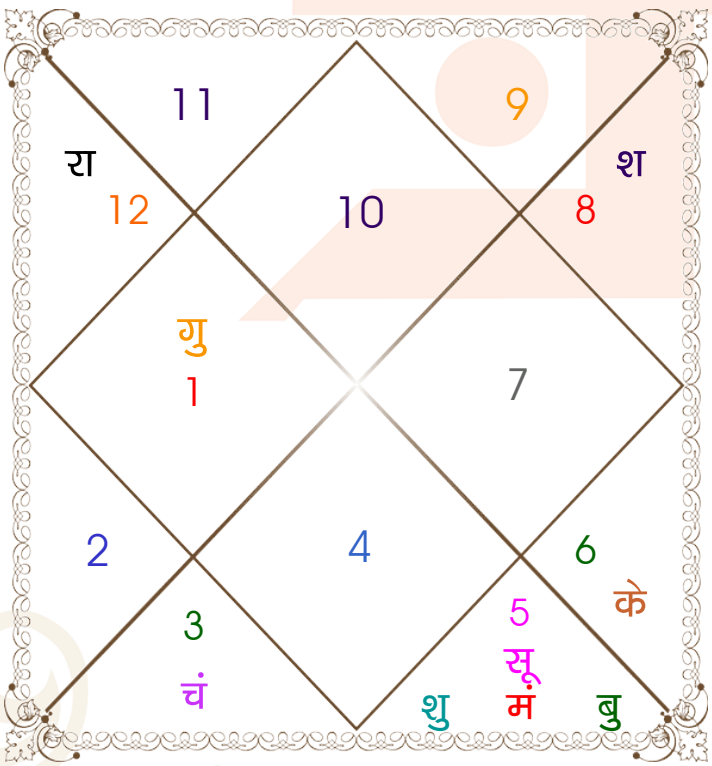

चन्द्र कुंडली

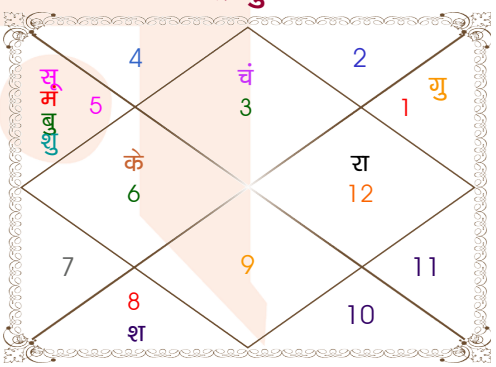

नवमांश कुंडली

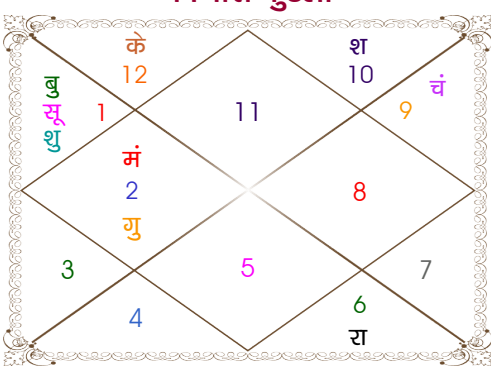

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 16 वर्ष 7 मास 28 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
19/08/1987		17/04/2004		17/04/2020		17/04/2039		17/04/2056	
17/04/2004		17/04/2020		17/04/2039		17/04/2056		17/04/2063	
राहु	28/12/1988	गुरु	05/06/2006	शनि	20/04/2023	बुध	13/09/2041	केतु	13/09/2056
गुरु	24/05/1991	शनि	16/12/2008	बुध	29/12/2025	केतु	10/09/2042	शुक्र	13/11/2057
शनि	30/03/1994	बुध	24/03/2011	केतु	06/02/2027	शुक्र	11/07/2045	सूर्य	21/03/2058
बुध	16/10/1996	केतु	28/02/2012	शुक्र	08/04/2030	सूर्य	18/05/2046	चंद्र	20/10/2058
केतु	04/11/1997	शुक्र	29/10/2014	सूर्य	21/03/2031	चंद्र	17/10/2047	मंगल	18/03/2059
शुक्र	04/11/2000	सूर्य	17/08/2015	चंद्र	19/10/2032	मंगल	13/10/2048	राहु	04/04/2060
सूर्य	28/09/2001	चंद्र	16/12/2016	मंगल	28/11/2033	राहु	03/05/2051	गुरु	11/03/2061
चंद्र	30/03/2003	मंगल	22/11/2017	राहु	04/10/2036	गुरु	07/08/2053	शनि	20/04/2062
मंगल	17/04/2004	राहु	17/04/2020	गुरु	17/04/2039	शनि	17/04/2056	बुध	17/04/2063

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
17/04/2063		17/04/2083		17/04/2089		17/04/2099		18/04/2106	
17/04/2083		17/04/2089		17/04/2099		18/04/2106		00/00/0000	
शुक्र	17/08/2066	सूर्य	05/08/2083	चंद्र	15/02/2090	मंगल	14/09/2099	राहु	20/08/2107
सूर्य	17/08/2067	चंद्र	04/02/2084	मंगल	16/09/2090	राहु	02/10/2100		00/00/0000
चंद्र	17/04/2069	मंगल	10/06/2084	राहु	17/03/2092	गुरु	08/09/2101		00/00/0000
मंगल	17/06/2070	राहु	05/05/2085	गुरु	17/07/2093	शनि	18/10/2102		00/00/0000
राहु	17/06/2073	गुरु	21/02/2086	शनि	15/02/2095	बुध	15/10/2103		00/00/0000
गुरु	16/02/2076	शनि	03/02/2087	बुध	17/07/2096	केतु	12/03/2104		00/00/0000
शनि	17/04/2079	बुध	11/12/2087	केतु	15/02/2097	शुक्र	12/05/2105		00/00/0000
बुध	15/02/2082	केतु	17/04/2088	शुक्र	17/10/2098	सूर्य	17/09/2105		00/00/0000
केतु	17/04/2083	शुक्र	17/04/2089	सूर्य	17/04/2099	चंद्र	18/04/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 16 वर्ष 7 मा 30 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म उत्तराषाढ़ नक्षत्र के तृतीय चरण में मकर लग्न में हुआ है। आपके जन्म काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर लग्न के साथ-साथ कुंभ नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस ग्रह संयोजन के फलस्वरूप यह परिलक्षित हो रहा है कि आपका जन्म उन्नतमुखी प्रतिज्ञा का निरूपण कर रहा है, परंतु आपके जीवन के लघु मानसिक प्रवृति यह है कि आप जन सामान्य के साथ जो व्यवहार करेंगे। वह व्यवहार जैसे सिंह मनुष्य के साथ करता है, वैसा प्रतीत होता है। आप घर में भी एक प्रशासक प्रवृति से भूमिका निभाएंगे। आप मानवीय स्वभाव से निश्चित रूपेण अपनी पत्नी के वशीभूत रहेंगे।

इसका मुख्य कारण यह है कि आपका विवाह विलम्ब से हो ऐसी संभावना है तथा तथ्य यह है कि आप व्यक्तिगतरूप से झगड़ा विवाद करने वाले नहीं है। परंतु आप संतुलित प्राणी है। आप सदैव किसी भी वाद-विवाद विहीन परिस्थिति तथा शांति पूर्वक जीवन बिताने की अभिलाषा रखते हैं। यद्यपि आप अपनी पत्नी एवं संतान के लिए अत्यंत ही सुकोमल दृष्टिकोण के प्राणी हैं तथा उन्हें समृद्धिवान करने एवं स्वच्छन्दता पूर्वक जीवन व्यतीत करने के लिए आकांक्षी है।

आप एक चतुर व्यक्ति हैं एवं आप अपने जीवन में उच्चता प्राप्त करेंगे। आप एक धर्मात्मा है तथा आप निर्विघ्न जीने की नीति में विश्वास करते हो। आप अकस्मात् प्रेम उत्पन्न कर लेते हैं तथा आप अच्छी मित्र मंडली बना लेते हो। आप में समुचित प्रत्यक्षज्ञान शक्ति विद्य मान है। अतः लोग आपके पास निर्देशन प्राप्त करने आते हैं। आप सर्वथा गायन, नृत्य द्वारा आनंद प्राप्त करने के लिए संपर्क साधन करते हो।

आप उच्च कोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप जीवन का अध्ययन कर समय-समय पर धर्म स्थलों का परिभ्रमण करेंगे। आप सदैव सहृदयतापूर्वक दान सेवी संस्थाओं को दान-प्रदान करेंगे।

आप की इच्छा के अनुरूप कार्य व्यवसाय भूमि से संबंधित अनुकूल होगा। यथा सिंचाई कार्य, खनिज व्यवसाय, वास्तु कला, अभियांत्रिकी एवं सविल कॉन्ट्रेक्टर का कार्य आदि। आप विश्वासपूर्वक संस्था के संचालक अथवा मध्यस्थता (दलाली) कार्य अथवा निर्यातिक व्यवसाय कर सकते हो।

आप अपने जीवन में अधिकांश समय तक निशंक होकर स्वस्थ एवं प्रसन्नतम जीवन व्यतीत करेंगे। परंतु आपको अपने शरीर को जख्मी होने के प्रति सुरक्षा बरतनी होगी। आपको उछल कूद करने तथा ऊपर से नीचे जाने के प्रति सर्तक रहना चाहिए। आपको अपने पाचन पद्यति के प्रति सदैव सतर्क रहना पड़ेगा।

आप व्यक्तिगत रूप से उच्चकोटि के महत्वकांक्षी प्राणी हैं। आप धन संचय करने की योजना बनाकर स्पष्ट रूप से धन प्राप्ति करने में सफलता प्राप्त करेंगे। आप यदि

निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन करें तो निश्चित रूप से सुगमता पूर्वक अग्रसर हो सकते हैं।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 6, 8 एवं 9 अंक हैं। परंतु अंक 3 सर्वथा त्यागनीय है, क्योंकि ये अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में सहायक रंग सफेद, काला, नीला एवं लाल रंग अनुकूल रंग हैं। परंतु रंग क्रीम एवं पीला रंग स्पष्ट रूप से आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल एवं भाग्यशाली दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन व्यवहारणीय है, परंतु सोमवार, गुरुवार एवं रविवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल चिंताकारक एवं व्ययकारक है।